22 भाषाओं के रचनाकार साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

- साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कमानी सभागार में पुरस्कार प्रदान किए
- बांसुरी वादक राकेश चौरसिया की विशेष प्रस्तुति ने मोहा उपस्थित लोगों का मन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित साहित्य उत्सव के दूसरे दिन 22 भाषाओं के रचनाकारों को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिंदी, उर्दू, मलयालम कोंकणी, मराठी और अंग्रेजी साहित्य के रचनाकारों सहित अन्य को साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कमानी सभागार में पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान बांसुरी वादक राकेश चौरसिया द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गई। वहीं, प्रसिद्ध नाटककार महेश दत्तानी समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

इस अवसर पर महेश दत्तानी ने कहा कि लेखक शब्दों के कारीगर होते हैं और हमारे देश की भाषाई विविधता को बचाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह विविधता ही हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है और इसको बनाए और बचाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने भारत की भाषाई समृद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व में बहुत कम ऐसी जगह हैं जहां इतनी भाषाओं में इतने महत्वपूर्ण पुरस्कार या साहित्य समारोह आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने समारोह की तुलना आस्कर अवार्ड से की।

वहीं, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक और उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा की रचनाकार एक साधक होता है और अपनी रचना प्रक्रिया में सब कुछ भूल कर कुछ समाज की भलाई के लिए कई रंग बिखेरता है, लेकिन उसमें सर्वश्रेष्ठ रंग मनुष्यता का ही होता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि बंगला भाषा पुरस्कार की घोषणा अभी नहीं की गई है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विभिन्न भाषाओं के रचनाकार व मौजूद अतिथिगण • सौ. साहित्य अकादमी

सम्मानित हुए रचनाकार

गगन गिल (हिंदी), समीर तांती (असमिया), अरन राजा बसुमतारी (बोडो), चमन लाल अरोड़ा (डोगरी), इस्तेरीन कीरे (अंग्रेजी), दिलीप झवेरी (गुजराती), के.वी. नारायण (कन्नड), सोहन कौल (कश्मीरी), मुकेश बली (कोंकणी), महेंद्र मलंगिया (मैथिली), के. जयकुमार (मलयालम) हाओबम सत्यबती देवी (मणिपुरी), सुधीर रसाल (मराठी), युवा बराल 'अनंत' (नेपाली), वैष्णव चरण सामल (ओडिआ) पॉल कौर (पंजाबी), मुकुट मणिराज (राजस्थानी), दीपक कुमार शर्मा (संस्कृत), महेश्वर सोरेन (संताली), हूदराज बलवाणी (सिंधी), ए आर वेंकटाचलपति (तमिल) एवं पेनुगोंडा लक्ष्मीनारायण (तेलुगु)।